

Q5.

दिया जाय अथवा गणवती
₹. 16000/-
को जो आर नसकोर्जे कि 4
गणवती @ 1410/-
को जो उताकिके औलपादे हात
₹. 15876-83

कि शर्त कि उन ककवात सिंह राजपूत स्वतः डिग्री धरि
के लिये कहें।

जो कि उनको अपनी भूमि अपने पुरे में गरीजों के लिये
करा चाहता है, कर्त वजह में कसिहा नगर के अर्को अर्को

श्री 200 नं. 1111

ने के फुल खासा रुद भूमि खाता नं. 19/5, किले 6 ताकदी
गणवती 172-5 अथवा 7-27 गाल साकाना वाका जोजा डिग्री
धरि तह. पदक परये जाकदी 1981-82 को मये उपका

के न हकुक उनका एराजी मजकूर शस्ता जोहर काडी
भुन्डी प्रवतन हर किरा शस्तादा हर एराजी मजकूर मये
ईगा हकुक हाल न आइत, कि जो कि मुक्त को आज
क हसिल के था आइत, हसिल होवे गणवती @ 16000/-

मदत भी जयइत सिंह, रन्धीर सिंह, तेपन्दु सिंह, शैवकुदि,
पिराण सुन्द न जितेन्दु सिंह एका शमेश सिंह, रतन सिंह
पुत्र सुन्द सिंह राजपूत बसना डिग्री धरि तह. पदक
की हिस्सा कराक आज की तारीख से फुल के लिये कोर्दे
तोरे पा लिये न करवशे कता है। ककवात स्वतः

Registrar,
Distt. Sirmur,

कालीमा विद्यालय/मालपती 1600/-
२-२१४ मि. ५ मालपती 1610/-

J. P. Singh
उप प्रिंसिपल,

पवाड, तिरमोर मण्डल [हि. प्र.]

कालीमा विद्यालय, श्री शम्भुशरण पुत्र मल्लिकार्जुन सिंह
राजपुर मल्लिकारि 15-11-2017 दिने लक्ष्मीका पत्न्याय १० अंश
मि. 18/9/85 लक्ष्मीका 19 अंश 21 मिन. 1907
वशात मालपती 1600/- ५-८ वरि वरि ५१५६ वरि
२११२-८१ ६०० मालपती पुस्तक 19१६ १०
५२१ मि. ५२१

५२१ पुत्री-५१

शम्भुशरण

J. P. Singh
उप प्रिंसिपल,

पवाड, तिरमोर मण्डल [हि. प्र.]

मेका पर मोहक इलाक का कमा लिया है। एक अशरी कहेका
 की निश्चित मेरा या मेरे कारिमान काजजशत का कोई गलत
 या कस्ता नहीं रहा और न आइता होगा। अशरी कहेका
 हर किसत के सारे खजाजत से करी न करके
 यही सला का का हिस्सा की गई है। और कोई
 उकाठ काउनी या वाकाली पेन लेका लजाजा होगा
 ले हर की जवाब कही अमा वास्त के जिमे लेगी
 पहला शिर्की के शिर्की व खजाजत काल के
 अका जकता का दूंगा करना कहेका इलाक के अकरन
 अशिर्की व खजाजत काल के अला जकता का
 लेने का अधिकार होगा। अतः यह पत्र लिखता
 कतरकि हिस्सा काका के सत्क तरीका लिये कि
 काय व काका अडे। तित 10.9.85

Distt. Dhamra

उष्य
 श्री विजेन्द्र सिंह नाकरवा
 अखला डिवागी चीनी
 तड़वान

उष्य
 शही बर
 नाकि
 शायरान

उष्य
 श्री अकबर सिंह नाकरवा
 अखला अनाहन वर
 तड़वान

Visedant Dhamra

श्री नदी सिंह



